वहाँ से यहाँ तक का सफर पूरा कर आज वह जिला कलेक्टर के पद पर आसीन है। जनता अब उसका रॉब मानेगी। जो जमींदार अकड़कर चलते थे आज वे उसके अब्बा हुजूर से सिफारिश के लिए गिड़गिड़ाते नज़र आएँगे। और अब्बा हुजूर उन्हें यह कहकर टाल देंगे भई लड़का सरकारी मामले में मेरी कुछ सुनता ही नहीं है। फिर भी अल्ला ताला जैसा करे देखो मैं तुम्हारी कोशिश ज़रूर करूँगा।

आज ही उसके सामने लगभग 50 प्रत्याशियों के साक्षातकार के परिणाम की लिस्ट पड़ी है। एक प्रत्याशी जिसकी जानकारी में लिखा है माँ ..... बाप नहीं है। राज्य सेवा में कोई रिश्तेदार भी नहीं है। वार्षिक आमद 600 रु. मात्र और प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण आदि।

लेने हैं सिर्फ 5 पाँच ही, लेकिन सिफारिशी पत्रों की संख्या 10 दस से ऊपर ही है।

ये सब किनके पत्र हैं बतलाना उचित नहीं होगा। आप स्वयं समझते हैं

जान कभी, अंकतालिका को देखता है तो कभी उन पत्रों को हाथ में थाम कर देखता है मानो उनका वज़न तोल रहा हो। एक-एक दृश्य उसके सम्मुख आ रहे हैं, नवीन और शिराज उसकी आँखों के सामने इठलाकर खड़े हैं। उससे कह रहे हैं जान तुम भी वहीं तक पहुँचे और तभी टेलीफोन की घण्टी घनघना उठी। दूसरी ओर से कोई हाकिम ही बोल रहा था 'भई नये हो इसलिए कहना पडा है... देखो उसका नम्बर मैंने तुम्हें पहले भी नोट करवाया था। खैर देख लेना वैसे मैं अपने ही काम के लिये अधिक कुछ कहने की जरूरत..... जान ने बीच में ही टेलीफोन का चोंगा रख दिया था।

तभी चपरासी ने आकर अर्ज़ किया 'हुजूर कोई साहब मिलने पधारे हैं।'

'कौन साहब हैं?' और चपरासी जानकारी हासिल करने चला गया है।

कर्त्तव्य के चौराहे पर वह कौन सी राह चुने कुछ समझ नहीं रहा है। आज भी भोले मुखड़े पर जिज्ञासा का भाव और आशंका की छाया धारण किये कई जान उसके सामने खड़े है।

जल्दी से वह सारे कागज़ात समेटकर दराज में डालकर आने वाले से मुकाबले की तैयारी करने लगता है।

राजेन्द्रकुमार शर्मा

❖❖❖

प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़ का अमृत महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

जोधपुर। जाने-माने विद्वान् एवं साहित्यकार प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़, पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान की 50 वर्ष की समाज सेवा एवं 15 वर्ष से वानप्रस्थ जीवन की सम्पन्नता पर दिनांक 22 जून 2015 को भंसाली भवन, अमरगढ़ रिसोर्ट के पास, पाल रोड, जोधपुर में दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक विशाल जनमेदनी की उपस्थिति में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अमृत महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर युवा पीढ़ी को संस्कार देने की दृष्टि से उनके जीवन-दर्शन पर राष्ट्रीय विद्वानों द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी, उनकी उपलब्धियों की प्रदर्शनी एवं उनके जीवन-चरित्र पर निर्मित डॉक्युमेन्ट्री का डिस्पले किया गया।

प्रबुद्ध साहित्यकार लेखक एवं वक्ता प्रो. डॉ. सोहन राज तातेड़ के शिक्षा, साहित्य, धर्म-अध्यात्म, योग आदि के क्षेत्र में अर्जित अद्वितीय उपलब्धियों पर आयोजित अमृत महोत्सव कार्यक्रम में देशभर के अनेक शिक्षाविद्, समाजसेवी, अधिकारी एवं राजनेता सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में जोधपुर शहर के विधायक श्री कैलाश भंसाली, जोधपुर शहर के महापौर श्री घनश्याम ओझा, उप महापौर श्री देवेन्द्र सालेचा, रेलवे के डी.आर.एम. श्री राजीव शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर देशभर से पधारे डॉ. देशराज सिखवाल (कुरूक्षेत्र), डॉ. विजय कुमार (वाराणसी), डॉ. राकेश मणि त्रिपाठी (लाडनूँ), डॉ. विक्टर बाबू (विशाखापट्टनम), डॉ. माँगीलाल वड़ेरा (जोधपुर), श्री सेरेन्द्र गेलड़ा (जोधपुर), श्री बंशीधर तातेड़ (बाड़मेर) आदि वक्ताओं ने सोहन राज तातेड़ के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. तातेड़ को देश-विदेश से प्राप्त सम्मानों एवं आपके द्वारा प्रकाशित पुस्तकें प्रदर्शित की गईं। डॉ. तातेड़ ने अपने जीवन के संस्करणों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री गणपत भंसाली ने किया, आभार श्री भूपेन्द्र तातेड़ ने किया।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार एवं गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रो. तातेड़ को शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिए **'पद्मभूषण एवार्ड'** दिए जाने हेतु अनुशंसा की जा चुकी है।

प्रो. (डॉ.) तातेड़ द्वारा रचित योग-दर्शन-शिक्षा विषयक 100 शोध-ग्रन्थ भारत की 100 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लम्बे अर्से से पढ़ाए जा रहे हैं। प्रो. (डॉ.) तातेड़ 50 राजकीय एवं ग़ैर-राजकीय राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं से मानद सेवा के रूप में जुड़े हुए हैं। आपको पिछले 50 वर्षों से शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में दी जा रही उल्लेखनीय सेवाओं के लिए अभी तक 50 राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय एवार्डों से नवाज़ा जा चुका है। प्रो. (डॉ.) तातेड़ की उल्लेखनीय सेवाओं का विस्तृत विवरण इन्टरनेट पर Google एवं YouTube पर खोजा जा सकता है।

❖❖❖